भारत-बांग्लादेश संबंध (1971 – वर्तमान)

भारत और बांग्लादेश के संबंध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, भाषाई और भौगोलिक रूप से गहरे जुड़े हुए हैं। 1971 में भारत ने बांग्लादेश की स्वतंत्रता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, और उसके बाद से दोनों देशों के संबंधों में कई उतार-चढ़ाव आए।

---

1. 1971 – 1975: मित्रता और सहयोग का दौर

1971 में बांग्लादेश की आज़ादी के बाद भारत पहला देश था जिसने इसे स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता दी।

जनवरी 1972 में शेख मुजीबुर रहमान भारत आए और भारत-बांग्लादेश की मित्रता संधि (25 वर्षों के लिए) पर हस्ताक्षर किए।

भारत ने बांग्लादेश से अपनी सेना हटा ली और उसकी पुनर्निर्माण सहायता में योगदान दिया।

मुख्य सहयोग:
✔ गंगा जल संधि पर चर्चा
✔ बांग्लादेश को आर्थिक और तकनीकी सहायता
✔ संयुक्त व्यापार और विकास योजनाएँ

---

2. 1975 – 1991: अस्थिरता और संबंधों में गिरावट

1975 में शेख मुजीबुर रहमान की हत्या कर दी गई, जिसके बाद बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता फैल गई।

सैन्य शासन (जनरल जिया-उर-रहमान और बाद में जनरल एर्शाद) के दौरान भारत-बांग्लादेश संबंध ठंडे पड़ गए।

बांग्लादेश में भारत विरोधी भावना बढ़ने लगी, खासकर पाकिस्तान और चीन के प्रभाव के कारण।

मुख्य विवाद:
✖ तीस्ता नदी जल बंटवारा मुद्दा
✖ भारत-बांग्लादेश सीमा विवाद
✖ बांग्लादेश में भारत विरोधी कट्टरपंथियों का प्रभाव

---

3. 1991 – 2008: संबंधों में सुधार

1991 में खालिदा जिया (बीएनपी) की सरकार बनी, लेकिन भारत-बांग्लादेश संबंध ठंडे ही रहे।

1996 में शेख हसीना (अवामी लीग) की वापसी के बाद द्विपक्षीय संबंधों में सुधार हुआ।

1996 में भारत और बांग्लादेश ने गंगा जल समझौता किया।

भारत ने बांग्लादेश को आर्थिक सहायता और व्यापारिक रियायतें दीं।

मुख्य उपलब्धियाँ:
✔ गंगा जल समझौता (1996)
✔ व्यापार समझौतों में वृद्धि
✔ संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में सहयोग

---

4. 2009 – वर्तमान: घनिष्ठ रणनीतिक साझेदारी

2009 में शेख हसीना की सरकार बनने के बाद भारत-बांग्लादेश संबंधों में जबरदस्त सुधार हुआ।

(1) राजनीतिक और कूटनीतिक सहयोग

भारत और बांग्लादेश ने उग्रवाद और आतंकवाद के खिलाफ साझा अभियान चलाया।

2015 में भारत और बांग्लादेश ने ऐतिहासिक भूमि सीमा समझौता (LBA) किया, जिससे दोनों देशों के बीच जल्द से जल्द सीमा विवाद सुलझा लिया गया।

बांग्लादेश ने भारत को पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ने के लिए ट्रांजिट सुविधाएँ दीं।

(2) आर्थिक और व्यापारिक सहयोग

भारत बांग्लादेश का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।

2022 में भारत ने बांग्लादेश को $500 मिलियन का रक्षा ऋण दिया।

दोनों देशों के बीच कई सड़क, रेलवे और जलमार्ग परियोजनाएँ शुरू की गईं।

बांग्लादेश भारत को चटगांव और मोंगला बंदरगाहों के उपयोग की अनुमति दे रहा है।

(3) जल और ऊर्जा सहयोग

तीस्ता जल बंटवारा मुद्दा अब भी विवादित है, लेकिन गंगा, ब्रह्मपुत्र और अन्य नदियों पर सहयोग जारी है।

भारत ने बांग्लादेश को बिजली और पेट्रोलियम निर्यात बढ़ाया है।

रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र में भारत-बांग्लादेश-रूस का त्रिपक्षीय सहयोग।

(4) रक्षा और सुरक्षा सहयोग

भारत-बांग्लादेश संयुक्त सैन्य अभ्यास ('संप्रीति') कर रहे हैं।

दोनों देश सीमा सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी अभियान में सहयोग कर रहे हैं।

---

5. वर्तमान चुनौतियाँ और विवाद

1. तीस्ता जल बंटवारा विवाद:

पश्चिम बंगाल सरकार और भारत सरकार के बीच मतभेद के कारण यह समझौता अब तक लंबित है।

2. रोहिंग्या शरणार्थी संकट:

भारत और बांग्लादेश दोनों इस संकट से प्रभावित हैं।

3. अवैध प्रवास और सीमा सुरक्षा:

भारत और बांग्लादेश के बीच 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा है, जहाँ घुसपैठ और तस्करी की समस्या बनी रहती है।

4. चीन का प्रभाव:

बांग्लादेश में चीन का निवेश तेजी से बढ़ा है, जो भारत के लिए एक चुनौती है।

---

6. निष्कर्ष

भारत और बांग्लादेश के संबंध ऐतिहासिक रूप से घनिष्ठ रहे हैं और वर्तमान में दोनों देश आर्थिक, रणनीतिक और सुरक्षा स्तर पर घनिष्ठ सहयोग कर रहे हैं। हालाँकि, कुछ मुद्दे अभी भी बाकी हैं, लेकिन भारत और बांग्लादेश दक्षिण एशिया में स्थिरता और विकास के लिए महत्वपूर्ण साझेदार बने हुए हैं।